Sub. Date - 1/11/2023

Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि - 03/A1

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 200**

राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परम्परा और धरोहर
Raj. History, Art, Culture, Literature, Tradition and Heritage of Rajasthan

Paper - I^st^ (Unit-I)

		MARKS	
Name : Sunil Kumar	Part	Attempted Questions	Marks Obtained
Enroll. No.:			
Date of Birth : 23-Aug-2001	Part - A		35
Medium : HINDI	Part - B		32
Email :	Part - C		33
Exam Date : 29-04-2023	Total		100
Inviligators Signature :			
ECN: S1D03 RCN:	Hindi: 0	English: 0	

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
   Please check the booklet before commencement of the exam.
2. दिये गये रिक्त स्थान में निर्देशित शब्द सीमा में उत्तर दें।
   Write the answers according to the prescribed word limit, in the space given.
3. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
   The marking scheme is given at the start of every section.
4. परीक्षा के पश्चात् उत्तर पुस्तिका हॉल अधीक्षक को सौंप दें।
   Return the answer booklet to the hall superintendent after completing the paper.

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	**DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?**				
a.	**Answer Relevancy**		✓		
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · **Key Terms/** Subject Vocabulary. Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. **Association with the Current Affairs** and use of examples to explain the concept and idea			✓	
2.	**HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?**				
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion				✓
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps			✓	
c.	**Language & Grammar**	✓			
d.	**Word limit**		✓		

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव :-

+ve
लेखन शैली अच्छी है
Best of Luck

-ve
Table/flowchart का use करें।
तथ्यात्मक पक्ष पर ध्यान देवें।
तय शब्दसीमा में उत्तर है।

Comment

Note : Answer the following questions in 15 words. Each question carries 2 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 15 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. दलाराम बाग संग्रहालय क्यों प्रसिद्ध है?
Why is Dalaram Bagh Museum famous?

दलाराम बाग संग्रहलय वर्तमान जयपुर मे स्थित है। इस संग्रहलय मे बैराठ सभ्यता स्थल से प्राप्त विभिन्न वस्तुओ को रखा गया है यह जयपुर के आमेर के महलो मे है।
हवामहल 1940

1½

2. दिल्ली-शिवालिक अभिलेख से किस चौहान शासक के बारे में जानकारी मिलती है? शिलालेख की मुख्य विषयवस्तु क्या है?
Information about which Chauhan ruler is obtained from the Delhi-Shivalik inscription? What is the main subject matter of the inscription?

दिल्ली-शिवालिक अभिलेख से विग्रहराज-IV की जानकारी मिलती है। इस अभिलेख मे बताया गया है कि विग्रहराज चतुर्थ द्वारा दिल्ली पर आक्रमण कर तोमर राजाओ को हराया।
अनंगपाल तोमर

विषयवस्तु पर समझ
2 बेहतर है

3. राजस्थानी साहित्य की 'मरस्या' और 'दवावैत/दवावेत' शैली के एक-एक उदाहरण लिखिए।
Write two examples each of 'Marsya' and 'Dawavait' style of Rajasthani literature.

राजस्थानी साहित्य की मरस्या और दवावैत शैली किसी वीर पुरुष की प्रसिद्धि या वीरता के संदर्भ में लिखि जाती है
उदाहरण (1) मरस्या → कल्ला रायमलोत रा मरस्या
(2) दवावैत → जवानसिंह रा दवावैत

2

Comment

4. रसिया जी की छतरी।
Rasiya Ji Ki Chhatri.

रसिया जी छतरी चित्तौड़गढ़ मे स्थित है।
इस छतरी पर पशु-पक्षियो के चित्र
उकेरे गए है तथा इस छतरी से योग
क्रियाओ की जानकारी मिलती है।
1274 वेद शर्मा उत्कीर्णकर्ता

1½

5. 'बीकानेर षड़यंत्र मुकदमा' क्या था?
What was 'Bikaner Conspiracy Case'?

बीकानेर महाराजा गंगासिंह के खिलाफ दूसरे
गोलमेज सम्मेलन मे 'बीकानेर दिग्दर्शन' नामक पर्चा
वितरित करवाने के कारण स्वामी गोपालदास,
सत्यनारायण सर्राफ, खूबराम सर्राफ के खिलाफ
बीकानेर षड़यंत्र मुकदमा चलाया गया।

1½

6. 'भवाई' नाट्य क्या है?
What is 'Bhavai' drama?

भवाई नाट्य उदयपुर के गुजरात के सीमावर्ती
क्षेत्र मे किया जाता है। यह मुख्यत: भील जनजाति
द्वारा किया जाता है। इसमे दो मुख्य पात्र होते
है जिन्हे सगाजी व सगीजी कहते है।
शांता गाँधी ने 'जसमल ओढ़ण' द्वारा इसे अंतर्राष्ट्रीय
स्तर पर ख्याति दिलाई।

1½

अच्छा प्रयास है

Comment

7. 'जट-कतराई'
'Jat-Katrai'

'जट - कतराई' मुख्यतः पश्चिमी राजस्थान मे प्रसिद्ध है। जट कतराई अर्थात् ऊँट के बालो को भाँति-भाँति प्रकार से काटना। यह कार्य मुख्यतः रेबारी जाति द्वारा किया जाता है।

1½

बालो को काटकर कलाकृतियाँ उकेरना

8. एल.पी. टैसीटोरी का राजस्थानी साहित्य में क्या योगदान रहा है?
What has been the contribution of L.P. Tessitori to Rajasthani literature?

एल. पी. टैसीटोरी मूलतः इटली के उदीने गाँव का रहने वाला था। टैसीटोरी ने मुख्यतः राजस्थान के डिंगल साहित्य के बारे मे लिखा। तथा इन्होंने पृथ्वीराज को डिंगल का होरेस भी कहा। तथा इन्होंने डिंगल साहित्य की कई रचनाओं का अंग्रेजी मे अनुवाद किया।

चारण साहित्य व पश्चिमी राजस्थान का व्याकरण।

1½

9. 'अभिनव भारत समिति'
'Abhinav Bharat Society'

अभिनव भारत समिति का गठन विजयसिंह पथिक, अर्जुन गोपालसिंह खरवा, व केसरीसिंह बारहठ द्वारा किया गया। प्रारंभ मे इसका मुख्यालय वर्धा मे था कालांतर मे अजमेर मे स्थापित किया गया।

अच्छा प्रयास है

2

1907

Comment

10. अंजना देवी चौधरी राजस्थान के इतिहास में क्यों प्रसिद्ध हैं?
Why is Anjana Devi Chaudhary famous in the history of Rajasthan?

अंजना देवी चौधरी राजस्थान के इतिहास की एक प्रसिद्ध महिला है। जिन्होंने ~~प्रजामण्डल~~ स्वाधीनता आंदोलन मे भाग लिया। इनकी ~~अध्यक्षता~~ में ~~कल्याल~~ सम्मेलन का आयोजन किया गया तथा महिला सशक्तिकरण हेतु कार्य किया। यह रामानारयण चौधरी की पत्नी थी।

अन्त में कारपीट ना करें।

1

11. मण्डन की वास्तुकला संबंधित रचनाओं के नाम लिखो।
Write the names of the works of Mandan related to architecture.

मण्डन कुंभा के दरबार मे था। तथा इसकी रचनाएँ -
① वास्तु मंजरी
② कोदण्ड मण्डन
③ राजवल्लभ ④ वास्तुसार

2

12. कुराड़ा के खनन से क्या सामग्री प्राप्त हुई है? यह सभ्यता किस काल की है?
What material has been obtained from the mining of Kurada? Which period does this civilization belong to?

कुराडा जोकि वर्तमान नागौर मे स्थित है। इसके खनन के दौरान यहाँ से खेती के औजार प्राप्त हुए। तथा सभ्यता ~~मुगलकाल~~ काल की है।

ताम्रयुगीन

1

1934 (आजादी से पूर्व खोदा जाने वाला स्थल)

Comment

13. 'शाहपुरा प्रजामंडल'
'Shahpura Prajamandal'

शाहपुरा प्रजामंडल की स्थापना माणिक्यलाल वर्मा के निर्देशन मे लादूराम व्यास द्वारा की गई। यह प्रथम रियासत प्रजामंडल थी। जहाँ पर राजा सुदर्शन देव व प्रधानमंत्री गोकुल लाल असावा के नेतृत्व मे उत्तरदायी सरकार की स्थापना हुई।

गोकुललाल असावा

1938

1/2

14. 'राजमहल के युद्ध' का तत्कालीन राजस्थान की राजनीति में क्या महत्त्व है?
What is the significance of 'Battle Of Rajmahal' in the politics of the then Rajasthan?

राजमहल का युद्ध ईश्वरी सिंह व माधोसिंह के मध्य उत्तराधिकार संघर्ष के लिए लड़ा गया तथा माधोसिंह पराजित हुआ। माधोसिंह की ओर से मराठाने इस युद्ध मे भाग लिया। फलस्वरूप मराठो का राजपूताने मे हस्तक्षेप बढ़ गया।

1 1/2

अच्छी समझ है

15. भोमट भील आंदोलन?
Bhomat Bhil Movement?

भोमट भील आंदोलन जिसे एकी आंदोलन भी कहा जाता है। माणिक्यलाल वर्मा के नेतृत्व मे मातृकुण्डिया से शुरू हुआ तथा कालांतर मे यह डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, ईडर रियासत मे फैल गया। तथा इस आंदोलन मे भील जनजाति द्वारा मुख्यतः भाग लिया गया

1 1/2

अच्छा प्रयास है

16. राजस्थान के किन्हीं चार निर्गुण भक्ति संप्रदायों का नामोल्लेख कीजिए।
Mention any four Nirguna Bhakti sects of Rajasthan.

निर्गुण भक्ति संप्रदाय - ① दादू संप्रदाय
② जसनाथी संप्रदाय ③ चरणदासी संप्रदाय
④ निरंजनी संप्रदाय

2

17. 'कुरजाँ' गीत का मूल भाव स्पष्ट करें।
Explain the basic meaning of the song 'Kurjaan'.

कुरजा गीत राजस्थान का लोकगीत है।
इस गीत के माध्यम से पत्नि अपने परदेश
गए पति को संदेश भेजती है तथा उन्हें जल्दी
घर वापस लौटने को कहती है

1½

मारवाड़

विरह गीत

18. धींगा गणगौर
Dhinga Gangaur

धींगा गणगौर राजस्थान में मनाया
जाने वाला त्यौहार है जोकि वैशाख कृष्ण तृतीया
को मनाया जाता है। इसे धींगा गौरया
रूपी गौर भी कहते है।

मेवाड़ + मारवाड़ में

Comment

19. संत सुंदरदास जी के प्रमुख ग्रंथ कौन-कौन से हैं?
What are the main books of Saint Sunderdas ji?

संत सुंदरदास जी दादूदयाल के शिष्य थे तथा
उनके प्रमुख ग्रन्थ → (1) ज्ञान समुन्द्र
(2) धर्म समुन्द्र (3) समुन्द्र सार
(4) सुन्दर विलास

1/2

20. वॉल्टर राजपूत हितकारिणी सभा की स्थापना का मूल उद्देश्य क्या था?
What was the original objective of establishing Walter Rajput Hitkarini Sabha?

वाल्टर राजपूत हितकारिणी सभा की स्थापना
महाराणा सज्जनसिंह द्वारा 1887 में की गई।
इसका मूल उद्देश्य तात्कालिक समय समाज में
फैले अंधविश्वास व रूढ़ियों को मिटाना व जागरूकता फैलाना
था।
बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं

1 1/2

21. रणथंभौर के शासक हम्मीर के शासनकाल की जानकारी देने वाले ग्रंथ और उनके लेखकों के नाम बताइए।
Name the texts and their authors that give information about the reign of ruler of Ranthambore, Hammir.

रणथंभौर के शासक हम्मीर की जानकारी देने
वाले ग्रंथ → (1) हम्मीर रासो → जोधराज
(2) हम्मीर महाकाव्य → नयनचन्द्र सूरि
(3) हम्मीर हठ → चन्द्रशेखर
(4) शृंगारहार → हम्मीर

2

Comment

22. 'घोड़ा-बावसी'
'Ghoda-Bavasi'

घोड़ा बावसी राजस्थान के लोकदेवता है। जिन्हे आलमनाथजी के नाम से जाना जाता है इनका मुख्य केन्द्र धोरीमन्ना (बाड़मेर) है जहाँ पर घोड़ो का ईलाज किया जाता है।

मिट्टी के बने कलात्मक घोड़े (गराजिया)

23. डाबड़ा किसान आंदोलन
Dabra Peasant movement

डाबड़ा किसान आंदोलन मारवाड़ प्रजामण्डल के नेताओ के नेतृत्व मे हुआ तथा इस आंदोलन के दौरान डीडवाना सामंत ने मोतीलाल नामक किसान के घर हो रही सभा पर लाठीचार्ज करवाया। जिसमे मथुरादास माथुर समेत कई किसान घायल हुए।

1947 मथुरादास माथुर

सामान्य बात लिखने से बचें सीधा सारगर्भित बात लिखें

24. शंकर राव देव समिति
Shankar Rao Dev Committee

शंकर देव समिति की सिफारिश पर 15 मई 1949 को मत्स्य संघ का विलय वृहत्तर राजस्थान मे हुआ। तथा इस समिति मे दो सदस्य थे - ① R.K सिद्धवा
② प्रभुदयाल

Comment

25. 'बांगड़ के धणी'
'Bangar Ke Dhani'

शक्कर पीर

बांगड़ का धणी के नाम से नरहड़ पीर को जाना जाता है इनका मुख्य केन्द्र नरहड़ (झुंझुनु) है यह साम्प्रदायिक सौहार्द का केन्द्र है। 1½

मिर्गी इलाज

Note : Answer the following questions in 50 words. Each question carries 5 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. ओझियाणा सभ्यता से प्राप्त पुरातात्विक वस्तुएँ इतिहास को जानने में किस प्रकार सहायक हैं?
How are the archaeological objects found from Ozhiyana civilization helpful in knowing history?

ओझियाणा सभ्यता आहड़कालीन सभ्यता है। जोकि वर्तमान भीलवाड़ा है। ओझियाणा से एक ~~बैल~~ (कुछ) मिट्टी से बनी गाय की मूर्ति तथा विभिन्न मिट्टी से बनी वस्तुएँ प्राप्त हुई है। तथा इस सभ्यता को महासतियों का टीला प्राप्त हुआ है। इससे यह ज्ञात होता है कि इस सभ्यता के अस्तित्व के दौरान सती प्रथा आदि जैसी कुरीतियो तथा समाज की विभिन्न रूढियो का प्रचलन था तथा समाज मे महिलाओं की स्थिति अच्छी नही थी।

खारी नदी

2000 ई

BN मिश्र

उत्खनन

2

Comment

2. गुर्जर-प्रतिहार शासक वत्सराज की प्रमुख सांस्कृतिक उपलब्धियों का चित्रण कीजिए।
Describe the major cultural achievements of the Gurjara-Pratihara ruler Vatsaraja.

वत्सराज गुर्जर-प्रतिहार शासक थे। इनके द्वारा विभिन्न साहित्यिक ग्रंथो व नाटको की रचना करवाई गई।
इनके द्वारा एक स्वतंत्र कला व साहित्य विभाग की ~~रचना~~ स्थापना की गई।

केवल सामान्य बात लिखकर कॉपी भरने से नम्बर नहीं आयेंगे।

(0)

3. राजस्थान में गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में निर्मित मंदिरों की विशेषताएँ उदाहरण सहित स्पष्ट करें।
Explain with examples the characteristics of the temples built in Gupta and post-Gupta period in Rajasthan.

राजस्थान मे गुप्त व गुप्तोत्तर काल मे निर्मित मंदिरो की विशेषता - (1) अधिकांश मंदिर पंचायतन शैली मे निर्मित हुए। जैसे- बाडोली के शिव मंदिर
(2) मंदिरो की प्रमुख विशेषता गोपुरम है
(3) इन मंदिरो का निर्माण द्रविड़ शैली मे हुआ।
(4) इन मंदिरो मे अर्द्धनग्न मूर्तियो को भी उकेरा गया है

नागर शैली

examples

1½

Comment

4. सामंतवाद को परिभाषित कीजिए। सामंतवाद के प्रभावों की संक्षिप्त विवेचना करें।
Define feudalism. Briefly discuss the effects of feudalism.

सामंतवाद → राज्य का प्रमुख राजा होता है।
तथा राज्य को अनेक जागीरो मे बाँटा जाता है
जिसके मुखियो को सामंत कहते है। सामंत राजा के
अधीनस्थ कार्य करता है इस व्यवस्था को सामंतवाद
कहते है। सामंतवाद के कारण राज्य का प्रशासन
केन्द्रीकृत ना होकर विकेन्द्रित हो जाता है तथा
आम जनता की न्याय व प्रशासन तक पहुँच बढ़ती है
सामंतवाद के कारण स्थानीय स्वशासन को
बढ़ावा मिलता है

नकारात्मक + सकारात्मक प्रभाव अलग-2 बताएं

2½

अच्छा प्रयास है

5. उन्नीसवीं सदी में राजस्थान में हुए भील विद्राहों के कारणों को रेखांकित कीजिए।
Outline the reasons for the Bhil revolts that took place in Rajasthan in the nineteenth century.

उन्नीसवीं सदी मे राजस्थान मे हुए भील आंदोलनो
के कारण → (1) भील जनजाति से उनके अधिकार
छीने गए। जैसे → जंगल मे लकड़ी ना काटना आदि
(2) भीलो के सांस्कृतिक मामलो मे हस्तक्षेप
किया गया। जैसे → डाकण प्रथा पर प्रतिबंध
(3) जनजाति नए कानूनो को समझने मे असमर्थ थी।
(4) नई नीतियो के कारण भीलो का साहूकारो
द्वारा शोषण हुआ व उन पर कर्ज बढ़ता गया।
(5) भीलो को अपराधिक जनजाति घोषित किया गया

2½

बोलाई शुल्क + रखवाली कर को समाप्त

Sanyan
An Institute For Civil Services

Comment

6. 1857 की क्रांति में सलूंबर और कोठारिया ठिकाने का क्या योगदान रहा है?
What was the contribution of Salumbar and Kotharia Thikana's in the revolution of 1857?

1857 की क्रांति के दौरान सलूंबर के सामंत केसरीसिंह व कोठारिया के सामंत जोधसिंह थे। उन्होंने अंग्रेजो के विरुद्ध कुशालसिंह चम्पावत की मदद की। तथा जोधसिंह के नेतृत्व मे विभिन्न क्रांतिकारियों ने दिल्ली जाने का प्रयास भी किया। सलूंबर व कोठारिया ठिकाने द्वारा सैन्य पैसे की भी मदद की गई। इन ठिकानो द्वारा 1857 की क्रांति के दौरान अंग्रेजो के खिलाफ राजपूताने के सभी क्रांतिकारियों को सहायता प्रदान की गई।

1½

एक बात को बार बार ना लिखें

7. वैद्य मघाराम की प्रजामंडल आंदोलन से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख कीजिए।
Mention the major activities of Vaidya Magharam, related to Prajamandal movement.

वैद्य मघाराम जोकि बीकानेर प्रजामंडल से जुड़े हुए थे। इनके द्वारा 1936 मे बंगाल मे बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना की गई। वैद्य मघाराम उदासर मे हुए किसान आंदोलन से भी जुड़े हुए थे। तथा इन्हे जेल भी जाना पड़ा था। इनके निर्देशन मे ही 1944 मे रघुवर दयाल द्वारा बीकानेर देशी राज्य लोकपरिषद की स्थापना की गई।

कलकत्ता

2½

अच्छा व प्रभावशाली उत्तर दें

Comment

8. कटराथल महिला सम्मेलन राजस्थान के किसान आंदोलनों में क्यों महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है? व्याख्या कीजिए।

Why does Katrathal Women's Conference hold an important place in the farmers' movements of Rajasthan? Explain.

कटराथल महिला सम्मेलन जोकि सीकर के (1934) सामंत द्वारा महिलाओ के खिलाफ किये गये दुर्व्यवहार के कारण किशोरी देवी की अध्यक्षता मे हुआ था। तथा इस सम्मेलन की मुख्य वक्ता उत्तमा देवी थी इस सम्मेलन मे 1000 से अधिक महिलाओ ने भाग लिया, यह राजस्थान के किसान आंदोलन मे महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योकि यह महिलाओ द्वारा आयोजित अब तक सबसे बड़ा सम्मेलन था। जोकि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है तथा किसान आंदोलन मे महिलाओ की भूमिका को दर्शाता है

विषयवस्तु पर काफी अच्छी पकड़ है और लेखन का स्तर अच्छा है

9. खानवा के युद्ध में राणा सांगा की हार के कारण कौन-कौन से थे? इस युद्ध के राजपूताना की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़े?

What were the reasons for Rana Sanga's defeat in the battle of Khanwa? What effect did this war have on the politics of Rajputana?

हार के कारण → (1) बयाना युद्ध के पश्चात बाबर को युद्ध तैयारी का समय मिल गया था। (2) मुगल सेना द्वारा हल्के हथियारो व घोड़ो का प्रयोग तथा राजपूत सेनाओ ने हाथियो का प्रयोग किया था (3) सांगा का स्वयं मैदान मे उतरना व राजपूत सेना मे एकल नेतृत्व का अभाव।

इस हार के कारण मुगलो का भारत मे मजबूत स्थापत्य हुआ क्योंकि उस समय हिन्दु राजा सांगा की हार के कारण मुगलो का भारत मे राज करना आसान हो गया।

2½

Comment

10. शेखावाटी क्षेत्र के प्रमुख क्षेत्रीय नृत्यों का संक्षिप्त में वर्णन करो।
Briefly describe the major regional dances of Shekhawati region.

शेखावटी क्षेत्र के प्रमुख नृत्य - ① गींदड़ नृत्य -
यह नृत्य होली के अवसर पर किया जाता है (पुरूषों द्वारा)
इसमे नगाड़ा वाद्यंत्र बजाया जाता है।
② कच्छी घोड़ी नृत्य - यह नृत्य शेखावटी क्षेत्री के पुरूषो द्वारा लकड़ी से निर्मित घोड़ी पर बैठकर किया जाता है।
③ बम नृत्य - भरतपुर में होली के दिन किया जाता है। इसमे गाये जाने वाला गीत बम रसिया।
④ चंग - शेखावाटी मे होली के अवसरपर

2½ ½

11. मारवाड़ी भाषा की प्रमुख उप-बोलियाँ कौन-कौन सी हैं?
What are the main sub-dialects of Marwari language?

मारवाड़ी भाषा की उपबोलिया,
① मेवाड़ी - यह उदयपुर, चित्तौड़ के आस-पास के क्षेत्र मे।
② शेखावाटी - सीकर, झुंझुन क्षेत्र मे।
③ गोड़वाड़ी - बाली (पाली) से आहोर (जालौर) के मध्य बोली जाती है
④ देवड़ावाटी - सिरोही क्षेत्र मे बोली जाती है
⑤ थली - पश्चिमी राजस्थान मे बोली जाती है
⑥ ढाटी - प० राजस्थान मे बोली जाती है
⑦ खैराड़ी - शाहपुरा (भीलवाड़ा) व टोंक के कुछ क्षेत्रो मे।

3

तथ्यात्मक स्तर काफी बेहतर है

Comment

12. जसनाथी संप्रदाय की मूल मान्यताओं को रेखांकित करें।
Outline the basic beliefs of Jasnathi sect.

जसनाथी संप्रदाय की स्थापना जसनाथजी ने की व इसका मुख्य केन्द्र कतरियासर (बीकानेर) में है। इस संप्रदाय के लोगों को जसनाथजी द्वारा 36 उपदेश दिये गए। इस संप्रदाय के लोग काले ऊन का धागा व मोर के पंख को शुभ मानते हैं। इस संप्रदाय के लोगों द्वारा अग्नि नृत्य किया जाता है तथा नृत्य करते समय कृषि क्रियाएँ की जाती है तथा नृत्य करते समय 'फते-फते' का नारा लगाते हैं।

मूर्तिपूजा, पाखण्डवाद, कर्मवाद के सिद्धान्त, 36 नियम

जसनाथी सम्प्रदाय की विशेषताएँ नहीं मूल मान्यता पूछी है

1½

13. राजस्थान साहित्य अकादमी और राजस्थान संस्कृत अकादमी के कार्यों व इनके द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों का उल्लेख करें।
Mention the works of Rajasthan Sahitya Academy and Rajasthan Sanskrit Academy and the awards given by them.

राजस्थान साहित्य अकादमी के कार्य, राजस्थानी साहित्य को बढ़ावा देना तथा इस संदर्भ में अनुसंधान कार्य करना, तथा इस अकादमी द्वारा (1) कन्हैयालाल सेठिया पुरस्कार (2) देवीलाल सामर पुरस्कार व (3) विजयदान देथा पुरस्कार दिया जाता है। तथा राजस्थान संस्कृत अकादमी संस्कृत के संबंध में विभिन्न शोध अनुसंधान तथा राजस्थान में संस्कृत अध्ययन को बढ़ावा देने तथा पुरस्कार वितरण का कार्य करती है।

उदाहरण

अच्छा प्रयास है

2

Samyak
An Institute For Civil Services

Comment

14. कवि करणीदान का राजस्थानी भाषा के लिए क्या साहित्यिक योगदान रहा है?
What has been the literary contribution of poet Karanidan to Rajasthani language?

कवि करणीदान मारवाड़ के राजा अभयसिंह के दरबारी विद्वान थे। तथा इनके द्वारा रचित ग्रंथ- सूरज प्रकाश (बिड़द सिणगार) है जिसमे अभयसिंह के अहमदाबाद अभियान की जानकारी मिलती है। तथा कवि करणीदान विभिन्न अन्य साहित्यिक रचना की गई। जिसमे उन्होने मारवाड़ की तात्कालिक सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्थिति का वर्णन किया है।

2½

अवधारणात्मक + उदाहरणात्मक पकड़ बेहतर

15. 'मांडणे' राजस्थानी संस्कृति व संस्कारों को परिलक्षित करते हैं- स्पष्ट कीजिए।
'Mandanas' reflects Rajasthani culture and traditions – explain.

'मांडणे' राजस्थानी संस्कृति की पहचान है। मांडणे विभिन्न त्योहारो व उत्सवो पर दीवार पर या फर्श पर बनाई जाने वाली कलाकृति है। इस कलाकृति को मुख्यतः दीपावली जैसे शुभ अवसरो पर बनाया जाता है। मांडणे भील जनजाति द्वारा विवाह के अवसर परभी बनाए जाते है जोकि राजस्थानी संस्कृति व संस्कारो को परिलक्षित करते है।

(खड़िया, गेरू, हिरमच, पेवड़ी काजल का प्रयोग)

2

Comment

16. 'मत्स्य संघ' के राजस्थान में विलय के घटनाक्रम का चित्रण करें।
Describe the events of merger of 'Matsya Sangh' in Rajasthan.

मत्स्य संघ का गठन 18 March 1948 को
हुआ। तथा इसकी राजधानी ~~भरतपुर~~ अलवर थी,
तथा ~~अलवर~~ धौलपुर के राजा उदयभान सिंह को मत्स्य
संघ का राजप्रमुख बनाया
गया था। तथा 15 मई 1949 को
शंकर देव राव समिति की सिफारिश पर
मत्स्य संघ का विलय राजस्थान मे कर
दिया गया। तथा भरतपुर को कृषि विभाग
दिया गया। इस समिति के सदस्य (1) प्रभुदयाल थे। (2) R. K. सिद्धवा

2½

अच्छा उत्तर (✓)

Note : Answer the following questions in 100 words. Each question carries 10 marks.
नोट : निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. राजस्थान में राष्ट्रीय चेतना अथवा जनजागृति के उदय के कारणों की चर्चा कीजिए।
Discuss the reasons for the rise of national consciousness or public awareness in Rajasthan.

कारण, राजस्थान मे राष्ट्रीय चेतना उदय के निम्न कारण थे
(1) 1857 की क्रांति / विद्रोह → 1857 मे हुई
क्रांति से लोगो मे अंग्रेजो के प्रति भय खत्म
हो गया तथा प्रथम बार खुलकर अंग्रेजो का
विरोध किया गया। तथा 1857 की क्रांति
ने लोगो की अंग्रेजो की नीतियो व कार्यो
का विरोध करने हेतु प्रेरित किया।

Samyan
An Institute For Civil Services

Comment

(2) किसान आंदोलन → राजस्थान मे हुए विभिन्न किसान आंदोलनो ने राजस्थान के लोगो मे राजनीतिक चेतना व जन जागृति लाने का प्रयास किया। किसान आंदोलनो के कारण विभिन्न जाति व वर्ग संगठित होकर स्वाधीनता आंदोलनो मे भाग लिया। जैसे → बिजौलिया किसान आंदोलन, शेखावाटी किसान आंदोलन etc.

प्रथम विश्व युद्ध का प्रभाव

(3) प्रजामंडल आंदोलन → प्रजामंडल आंदोलनों द्वारा उत्तरदायी शासन की माँग की गई तथा लोगो मे उनके अधिकारो के प्रति जागरूकता फैलायी गई।

आधुनिक शिक्षा का प्रभाव

(4) विभिन्न महिलाओ द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु व अपने अधिकारो हेतु लडा गया तथा लोगो को अपने अधिकारो के लिए लडने हेतु प्रेरित किया। जैसे → अंजनादेवी चौधरी, किशोरी देवी आदि।

5/2

(5) विभिन्न नेताओ का योगदान, जैसे → विजयसिंह पथिक, रामनारायण चौधरी, जयनारायण व्यास, माणिक्यलाल वर्मा द्वारा लोगो मे राजनीतिक चेतना जागृत करने का प्रयास किया गया।

दोनो को एक ही बिन्दु बनाकर लिखे

2. जोधपुर के महाराज जसवंत सिंह और उनके समकालीन मुगल शासकों के साथ राजनीतिक संबंधों की व्याख्या करें।
Explain the political relations of Maharaja Jaswant Singh of Jodhpur with his contemporary Mughal rulers.

जोधपुर के महाराज जसवंत सिंह के समकालीन मुगल शासक औरंगजेब थे। शाहजहाँ की मृत्यु के पश्चात, उत्तराधिकार संघर्ष मे हुए विभिन्न युद्धो मे उन्होने औरंगजेब के खिलाफ लड़ाइयाँ लड़ी थी। तथा जोधपुर महाराजा व मुगल शासक औरंगजेब के राजनीतिक संबंध अच्छे नही थे। औरंगजेब द्वारा जसवंत को काबुल का गवर्नर बना दिया गया था। तथा औरंगजेब द्वारा जसवंत सिंह को दक्षिण अभियान पर भी भेजा गया। लेकिन जसवंतसिंह शिवाजी के साथ संधि नही कर पाये थे। औरंगजेब द्वारा जसवंतसिंह को काबुल का गवर्नर बनाया गया। तथा जसवंत सिंह की उसी काल के दौरान 1678 मे जमरूद का थाना नामक स्थान पर देहांत हो गया तथा इस पर औरंगजेब ने कहा था कि "आज कुफ्र का दर टूट गया"। जसवंत सिंह के मुगल शासकों के साथ राजनीतिक संबंध काफी उतार-चढ़ाव पर रहे।

5

काफी संक्षिप्त समझ है, विषयवस्तु में। और बेहतर करें।

Saiiyan
An Institute For Civil Services

Comment

3. राजस्थान की प्रमुख महिला संतों की समाज सुधार व धर्म सुधार में भूमिका का चित्रण कीजिए।

Describe the role of prominent women saints of Rajasthan in social reform and religious reform.

राजस्थान की अनेक महिला संतो द्वारा समाज सुधार व धर्म सुधार हेतु प्रयास किया गया। उनके द्वारा समाज मे फैले अंधविश्वासो को दूर करने व जागरूकता फैलाने का प्रयास किया, जिनमे से प्रमुख संत निम्न है—

(1) मीराबाई, मीरा बाई का जन्म कुडकी (पाली) ग्राम मे हुआ था। मीरा बाई कृष्ण भक्त थी। मीरा बाई द्वारा समाज मे व्याप्त छुआछूत के निवारण का प्रयास किया गया, तथा उन्होने सगुण भक्ति का संदेश दिया।

(2) दया बाई व सहजो बाई, ये चरणदास जी की शिष्या थी, इन्होने अपनी रचनाओ के माध्यम से समाज सुधार व धर्म सुधार का प्रयास किया। दया बाई की रचना- दयाबोध, सहजोबाई- सहजोप्रकाश

(3) अन्य प्रमुख महिला संतो मे गवरी बाई, डाली बाई, एवं अन्य कई महिला संतो ने समाज सुधार व धर्म सुधार का प्रयास किया।

अन्य महिला संतो का भी विवरण (पूर्ण) प्रस्तुत करे

Comment

4. मध्यकालीन राजस्थान में भूमि के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए राजस्व वसूली की प्रमुख प्रणालियों की विवेचना करें।

Explain the types of land in medieval Rajasthan and discuss the main systems of revenue collection.

मध्यकालीन राजस्थान मे कृषि की दृष्टि से भूमि दो प्रकार की थी- ① बरानी भूमि - इस भूमि मे कृषि वर्षा जल द्वारा होती थी, ② उन्नाव / पीवल भूमि, कृषि सिंचाई द्वारा होती थी।

एक भूमि, चरनोता भूमि के नाम से भी के प्रकार की जाना जाता था जोकि पशुओ को चराने हेतु उपयोग मे ली जाती थी। यह भूमि सैद्धान्तिक रूप से राजा की होती थी, लेकिन व्यावहारिक रूप से किसानो द्वारा उपयोग मे ली जाती थी। तथा किसान दो प्रकार के, ① बापीदार ② गैर- बापीदार होते थे

राजस्व वसूली की प्रणाली - ① लाटा व कून्ता, इस प्रणाली मे अनाज उत्पादन के पश्चात, मात्रा को देखकर राजस्व वसूला जाता था,

② डोरी, रस्सी द्वारा भूमि को मापकर भू-राजस्व वसूला जाता था।

③ मुकाता - एक साथ पूरा राजस्व चुकाना,

④ बिघोड़ी - भूमि के बीघा के आधार पर भू- राजस्व वसूला जाता था।

आगे / व्याख्या / भौम / सासण

भूमि के प्रकार

5½

बेहतर है

Saniyan
An Institute For Civil Services

Comment

5. 'शेखावाटी के किसान आंदोलन राजस्थान के इतिहास में महत्त्वपूर्ण रहे हैं'- कथन के आलोक में शेखावाटी के प्रमुख किसान आंदोलनों का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
In the light of the statement 'The farmer movements of Shekhawati have been important in the history of Rajasthan', present the details of the major farmer movements of Shekhawati.

शेखावाटी किसान आंदोलन -

(1) सीकर के सामंत कल्याणसिंह द्वारा करो मे वृद्धि के खिलाफ किसानो द्वारा आंदोलन किया गया तथा इसी संदर्भ मे 1931 मे जाट क्षेत्रीय महासभा का गठन किया गया तथा 1934 मे जाट प्रजापति महायज्ञ का ठाकुर देशराज द्वारा आयोजन करवाया गया। शेखावाटी किसान आंदोलन की खबरे लंदन के अखबार डेली हेराल्ड मे छपती थी तथा इस आंदोलन की चर्चा पेठिक लॉरेन्स द्वारा हाउस ऑफ कॉमन्स मे भी की गई।

(2) चुरू के किसान आंदोलन

(i) डूंधवा खारा - हनुमानसिंह आर्य के नेतृत्व मे इस आंदोलन को चलाया गया।

(ii) कांगड़ा - मेघसिंह आर्य द्वारा इस आंदोलन का नेतृत्व किया गया।

उपरोक्त शेखावाटी किसान आंदोलन राजस्थान के इतिहास मे महत्वपूर्ण रहे है।

काफी बेहतर उत्तर लिखा है इसी प्रकार मेहनत करते रहे

6. प्रजामंडल आंदोलनों के प्रति कांग्रेस पार्टी के रूख की चर्चा करते हुए इन आंदोलनों के राजनीतिक और सामाजिक प्रभावों का वर्णन करें।
Discussing the attitude of the Congress Party towards the Prajamandal movements, describe the political and social effects of these movements.

प्रजामंडल आंदोलनो की शुरूआत 1927, बॉम्बे से हुई। तथा इन प्रजामंडल आंदलनो को प्रारंभ मे कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त नही था। प्रजामंडल आंदोलनो को कांग्रेस पार्टी द्वारा सुभाष चन्द्र बोस की अध्यक्षता हुए हरिपुरा अधिवेशन (1938) मे समर्थन दिया गया।

→ प्रजामंडल आंदोलन के राजनीतिक व सामाजिक प्रभाव

राजनीतिक प्रभाव → ① राजनीतिक चेतना का विकास
② लोगो मे जनजागृति का फैलना
③ उत्तरदायी शासन की स्थापना
④ राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास
⑤ किसान आंदोलनो को समर्थन प्राप्त हुआ

सामाजिक प्रभाव → ① हिन्दु-मुस्लिम एकता
② सामाजिक रूढ़ियों जैसे अस्पृश्यता, विभिन्न प्रथाओं का निवारण
③ महिला सशक्तिकरण
④ समाज मे शिक्षा का प्रचार-प्रसार
⑤ समाज मे जागरूकता का फैलाव।

मद्रास अधिवेशन

4½

अवधारणात्मक समझ काफी अच्छी है

तथ्यात्मक पहलू पर कार्य करें

Samyak
An Institute For Civil Services

Comment

7. किशनगढ़ शैली के प्रमुख चित्रकारों की चर्चा करते हुए इस शैली की मूलभूत विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

Discussing the major painters of Kishangarh style, throw light on the basic characteristics of this style.

किशनगढ़ शैली का प्रारंभ सावंतसिंह के समय हुआ था। तथा इस शैली को प्रकाश मे लाने का श्रेय फैयाज अली व एरिक डिक्सन को जाता है। यह शैली 'बणी-ठणी' नामक चित्र हेतु प्रसिद्ध है।

इस शैली के प्रमुख चित्रकार | प्रमुख चित्र

1. अमीरचन्द → चाँदनी रात की गोष्ठी
2. मोरध्वज व निहालचंद → बणी-ठणी

अन्य चित्रकार → नागरीदास, लाडलीदास आदि।

किशनगढ़ शैली की मूलभूत विशिष्टताएँ →

1. यह शैली अपने नारी सौन्दर्य चित्रण हेतु प्रसिद्ध है जिसमे प्रसिद्ध चित्र बणी-ठणी का चित्रण हुआ है।
2. इस शैली के चित्रों के हासिये मे गुलाबी रंग का प्रयोग किया गया।
3. प्रकृति चित्रण अधिक हुआ है।
4. बणी-ठणी नामक चित्र मे नाक मे 'बेसरि' नामक आभूषण पहना हुआ है

पूर्ण

एरिक डिकिन्सन ने भारतीय मोनालिसा कहा बणी-ठणी को। 5 May 1973 को इसपर डाक टिकट जारी